लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

वर्ष 7 अंक 27 जुलाई – सितम्बर 2016

त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस का शुभारंभ

31 जुलाई 2016 को माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभु ने अगरतला में उपस्थित होकर अगरतला–आनंद बिहार (दिल्ली) त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस नई रेल गाड़ी (ट्रेन सं.14020/14019) को हरी झंडी दिखाया और अगरतला–अखौरा रेल लिंक परियोजना का शिलान्यास किया। समारोह में त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल एवं मुख्य मंत्री, बांग्लादेश के माननीय रेल मंत्री, भारत के माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहांई, स्थानीय सांसद और विधायक, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल एवं महाप्रबंधक/निर्माण/पूर्वोत्तर सीमा रेल, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग सहित निर्माण संगठन तथा ओपन लाइन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

अगरतला में आयोजित समारोह में त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने का दृश्य।

लामडिंग मंडल में नई परियोजनाओं का शुभारंभ

धनसिरी–जुब्जा रेल परियोजना के शुभारंभ कार्यक्रम में संबोधित करते हुए माननीय रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु तथा मंच पर आसीन रेल राज्य मंत्री, नगालैण्ड राज्य के मंत्रीगण तथा पू. सी. रेल मुख्यालय एवं लामडिंग मंडल के रेल अधिकारीगण।

अगरतला–अखौरा रेल लिंक का शिलान्यास करते हुए माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, बांग्लादेश के माननीय रेलमंत्री, मो. मुजिबूर हक, माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहांई, अगरतला राज्य के मंत्रीगण तथा पू. सी. रेल एवं निर्माण संगठन के अधिकारीगण।

इम्फाल में नए स्टेशन भवन का शिलान्यास तथा सुरंग सं. टी/12 (भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग) के कार्य की शुरूआत के अवसर पर संबोधित करते हुए माननीय रेलमंत्री, श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु।

राजभाषा शब्दावली प्रतियोगिता

पुरस्कार वितरण का दृश्य।

राजभाषा शब्दावली प्रतियोगिता के आयोजन का दृश्य।

पुरस्कार वितरण का दृश्य।

राजभाषा पखवाड़ा 2016

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण

दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

राजभाषा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

राजभाषा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर पुरस्कार वितरण करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों के साथ मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा राजभाषा अधिकारी।

राजभाषा सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते हुए कलाकार।

राजभाषा पखवाड़ा 2016 के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंडल के कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2016

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2016 के अवसर पर परेड का निरीक्षण करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

स्वतंत्रता दिवस 2016 के अवसर पर परेड की सलामी लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

मंडल रेल प्रयोक्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक

लामडिंग मंडल मुख्यालय में आयोजित 22वें मंडल रेल प्रयोक्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

लामडिंग मंडल मुख्यालय में आयोजित 22वें मंडल रेल प्रयोक्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

लामडिंग मंडल में नवागत अधिकारी

श्री ए. राय चौधुरी : आपने 30 सितम्बर 2016 को वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी/गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री जैनेन्द्र कुमार सिंह : आपने दिनांक 26 सितम्बर 2016 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ I/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री सर्जन ठाकुर : आपने 8 सितम्बर 2016 को वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर/गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री एस. के. सिंह राठौर : आपने 3 सितम्बर 2016 को वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री सुमित कुमार : आपने 12 सितम्बर 2016 को मंडल प्रचालन प्रबंधक/प्रभारी/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
सुश्री गरिमा सोढी : आपने 2 सितम्बर 2016 को सहायक कार्मिक अधिकारी/ I/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री रूपक कुमार : आपने 21 सितम्बर 2016 को विधि अधिकारी/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री खिंदु राम : आपने 5 अगस्त 2016 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ समन्वय/मालीगॉव के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री मिहिर देव : आपने 23 अगस्त 2016 को सहायक प्रचालन प्रबंधक/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री डी. सी. बड़ो : आपने 9 अगस्त 2016 को सहायक मंडल यॉंत्रिक इंजीनियर/ डीजल/ न्यूगुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री एस. बाला सुब्रमण्यम : आपने 1 अगस्त 2016 को सहायक सुरक्षा आयुक्त/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री हिमांशु गुणावत : आपने 5 जुलाई 2016 को सहायक मंडल यॉंत्रिक इंजीनियर/डीजल/ न्यूगुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री नितिन कुमार गुप्ता : आपने 25 जुलाई 2016 को सहायक मंडल बिजली इंजी./कोचिंग/गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री सुब्रत चक्रवर्ती : आपने 6 जुलाई 2016 को मंडल संरक्षा अधिकारी/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।
श्री ऋतुराज दास : आपने 1 जुलाई 2016 को सहायक कार्मिक अधिकारी/ गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

लामडिंग मंडल में आप सभी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत है।

रेलवे संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व और पूर्वोत्तर सर्किल, कोलकाता द्वारा अगरतला–उदयपुर नए बी.जी. लाइन परियोजना का निरीक्षण

श्री एस. पाठक, रेलवे संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व और पूर्वोत्तर सर्किल, कोलकाता ने 25 सितम्बर 2016 को अगरतला–उदयपुर नए बी.जी. लाइन परियोजना के कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक सहित मंडल के शाखा अधिकारी रेलवे संरक्षा आयुक्त के साथ थे। निरीक्षण में निर्माण संगठन का प्रतिनिधित्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ I/निर्माण और अधिकारियों की उनकी टीम द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्शन में मोटर ट्रॉली निरीक्षण के साथ–साथ स्पीड ट्रायल निरीक्षण भी किया गया।

पूर्वोत्तर का त्रिपुरा राज्य – एक परिचय

अपर मंडल रेल प्रबंधक
लामडिंग मंडल

भारत गणराज्य में सुदूर पूर्वोत्तर का एक राज्य त्रिपुरा अपने छोटे भौगोलिक क्षेत्र के भीतर अपार संभावनाएं संयोए हुए है। अगरतला इस राज्य की राजधानी है। यहाँ की मुख्य भाषाएं बंगला और त्रिपुरी (कोक बोरोक) है। इसकी अपनी अनोखी जनजातीय संस्कृति और दिलचस्प लोकगाथाएं हैं। ऐसा माना जाता है कि राजा त्रिपुर, जो ययाति वंश के 39वां राजा थे, उन्हीं के नाम पर ही इस राज्य का नाम त्रिपुरा पड़ा। एक मत के अनुसार स्थानीय देवी त्रिपुर सुन्दरी के नाम पर इसका नाम त्रिपुरा पड़ा। इस राज्य के इतिहास को 'राजमाला' गाथाओं और मुसलमान इतिहासकारों के वर्णनों से जाना जा सकता है। महाभारत और पुराणों में भी त्रिपुरा का उल्लेख मिलता है। आज़ादी के बाद भारतीय गणराज्य में विलय के पूर्व यहां राजशाही शासन था। उदयपुर इसकी राजधानी थी जिसे अठारहवीं सदी में पुराने अगरतला और उन्नीसवीं सदी में नये अगरतला में लाया गया था। 19वीं शताब्दी में महाराजा वीरचंद्र किशोर माणिक्य बहादुर के शासनकाल में त्रिपुरा में नए युग का सूत्रपात हुआ था। उन्होंने अपने प्रशासनिक ढांचे को ब्रिटिश भारत के नमूने पर बनाया और कई सुधार लागू किए। उनके उत्तराधिकारियों ने 15 अक्टूबर, 1949 तक त्रिपुरा पर अपना शासन किया। गणमुक्ति परिषद द्वारा चलाए गए आन्दोलनों से त्रिपुरा सन् 1949 में भारतीय गणराज्य में शामिल हुआ। 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के बाद यह केन्द्र शासित प्रदेश बना तथा 1972 में त्रिपुरा एक पूर्ण राज्य बना। त्रिपुरा राज्य तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है और केवल पूर्वोत्तर में यह असम और मिजोरम से जुड़ा हुआ है। त्रिपुरा की जलवायु कम गर्म तथा आद्र है। ग्रीष्म ऋतु मेंअधिकतम औसत तापमान 35° होता है, हालांकि पहाड़ों में मौसम ठंडा होता है। पहाड़ी स्थलाकृति के कारण यहाँ संचार में कठिनाई आती है। अगरतला–करीमगंज (असम) सड़क तथा रेल एकमात्र भू–मार्ग है। अगरतला से असम के कलकली घाट तक ब्राडगेज की 150.14 किलोमीटर रेलवे लाइन है। वर्तमान में ब्राडगेज रेलवे लाइन का विस्तार अगरतला से उदयपुर (42.25 किलोमीटर) तक किया जा चुका है। त्रिपुरा की अर्थव्यवस्था प्राथमिक रूप से कृषि पर आधारित है। मुख्य फ़सल धान है तथा पूरे राज्य में इसकी खेती होती है। नक़दी फ़सलों मे जूट, कपास चाय, गन्ना, मेस्ता और फल शामिल हैं। त्रिपुरा राज्य की कृषि में पशुपालन की सहायक भूमिका है। यहां छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को बढ़ाने में राज्य सरकार सक्रिय है। बांस व बेंत हस्तशिल्प में कक्ष विभाजक, फ़र्निचर टेबल मैट और फ़र्श पर बिछाने वाली चटाइयां शामिल हैं, जिन्हें स्थानीय स्तर पर बनाया जाता है। जनजातीय रीति–रिवाज, लोक कथाएं व लोकगीत त्रिपुरा की संस्कृति के महत्वपूर्ण तत्व हैं। दो प्रमुख वार्षिक उत्सव गडिया (अप्रैल) और कांस (जून या जुलाई) हैं। हर समुदाय का अपना नृत्य है, जैसे रियांग का होजागिरि, त्रिपुरी का गडिया, झूम, मालमिता, मसक सुमनी और लेबांग बूमनी, चकमा का बीजू, लुसाई का केर और वेल्कम, बंगाली समुदाय का गंजन, धमैल, सरी और रबींद्र संगीत हैं। सचिन देव बर्मन और राहुल देव बर्मन जैसे प्रसिद्ध संगीतकार इसी राज्य की देन हैं। तलवाडा ग्राम से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भव्य प्राचीन 'त्रिपुरा सुन्दरी' का मंदिर हैं, जिसमें सिंह पर सवार भगवती अष्टादश भुजा की मूर्ति स्थित हैं। मूर्ति की भुजाओं में अठारह प्रकार के आयुध हैं। इस मंदिर की गिनती प्राचीन में होती हैं। मंदिर में खण्डित मूर्तियों का संग्रहालय भी बना हुआ हैं जिनकी शिल्पकला अद्वितीय है। मंदिर में प्रतिदिन दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है। प्रतिवर्ष नवरात्र में यहां भारी मेला भी लगता है। अगरतला से 75 किलोमीटर दूर गुमटी (गोमती नदी) के किनारे उदयपुर और अमरपुर के बीच स्थित देवतामुरा शैल प्रतिमाएं तथा चाब्लमुरा अन्य पर्यटन स्थल हैं। गुमटी नदी के दाएं किनारे पर उदयपुर में भुवनेश्वरी मंदिर है, जहां रबीन्द्रनाथ टैगोर ने बिसर्जन और राजर्षि की रचना की थी। अगरतला से 25 किलोमीटर की दूरी पर सेपाहीजाला वन्यजीव अभयारण्य है, इसमें लगभग 150 प्रजातियों के पक्षी और चश्मे के जैसे निशान वाले विख्यात बंदर पाए जाते हैं। त्रिपुरा हर दृष्टि से पर्यटन के लिए उपयुक्त राज्य है। यहां देखने तथा घूमने–फिरने के लिए कई स्थान एवं स्थल हैं। अगरतला में उज्जयंत महल और कुजंबन पैलेस तथा मिलागढ़ का नीरमहल लेक पैलेस भव्य एवं विशाल महलों के रूप में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। कैलाशहर के पास अन्नकोटि, अमरपुर के पास देवतामुड़ा और बिलोनिया के पिलक में शानदार चट्टानों को काटकर की गई नक्काशी और पत्थर छवियों के जीवन्त दृश्य देखने को मिलते है। त्रिपुरा राज्य संस्कृति की दृष्टि से पूर्णतः संपन्न है तथा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के मुकाबले पर्यटन की अधिक संभावनाओं से पूर्ण है। होटल उद्योग के विकास के साथ ही यहां पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ी हैं तथा राज्य में और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। कोलकाता व गुवाहाटी से अगरतला तक वायुमार्ग, रेल मार्ग तथा सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। अगरतला के अलावा खोवाल, कमलपुर और कैलाशहर तीन छोटे हवाई अड्डे हैं। आइए विविधता से परिपूर्ण त्रिपुरा राज्य की सैर करें। – संजय नैय्यर

संरक्षक
प्रमोद कुमार जैन
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
संजय नैय्यर
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
संजय कनौजिया
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी